हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 21 अप्रैल 2025

11 सीएम फ्लाइंग टीम ने आढ़तियों के गोदामों में की छापेमारी...

12 गेहूं का पीक सीजन 3 दिन ही शेष, उसके बाद मंडियों में...

खबर संक्षेप

मछलियां पकड़ने को लेकर विवाद, एक घायल

फतेहाबाद। जिले के भूना क्षेत्र के गांव गोरखपुर में नहर में मछलियां पकडऩे को लेकर हुए विवाद में दो युवकों ने अपने साथियों सहित एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भूना पुलिस ने घायल युवक की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में गांव गोरखपुर निवासी 25 वर्षीय कर्मबीर ने बताया कि वह गांव के ही सुनील के यहां मजदूरी का काम करता है। 16 अप्रैल की शाम को वह नहर पुल होटल पर तंबाकू लेने के लिए खेत से आया था। वह वह वापस जाने लगा तो गांव का ही सैनी अपने बाइक पर दो और लडक़ों को लेकर आया। भूना निवासी नवीन भी अपने बाइक पर दो अन्य युवकों के साथ आया और उसके साथ बातचीत करने लगे।

हेरोइन सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरकपड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान प्रगट सिंह पुत्र जीत सिंह निवासी खुनन के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर कुलदीप ने बताया कि एएनसी और सीएआई स्टाफ की टीम एएसआई भूपेन्द्र के नेतृत्व में गश्त के दौरान युवक मोटरसाइकिल लिए सडक़ किनारे खड़ा दिखाई दिया। शक के आधार पर पुलिस ने पूछताछ की।

मकान में सेंध लगाकर हजारों का सामान चोरी

सिरसा। शहर के चत्तरगढ़पट्टी क्षेत्र में एक बंद पड़े मकान से चोर हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में फतेहपुरिया नियामत खां निवासी शुभम ने बताया कि वह चत्तरगढ़पट्टी में नया मकान बना रहा है। उसने बताया कि एक मकान 3-4 दिनों से बंद था, जिसमें सारा सामान रखा हुआ था।

आगजनी की घटना की सूचना तुरंत दें नागरिक

सिरसा। जिला में आगजनी की घटनाओं की समय पर सूचना मिलने पर जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा आग पर काबू पाने के लिए हरसंभव प्रयास भी किया जाता है। खेतों या अन्य आगजनी की घटना की सूचना आम नागरिक तुरंत दें, ताकि समय पर काबू पाया जा सके। इसके लिए जिला प्रशासन ने दूरभाष नंबर जारी किए हैं। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि जिला में किसी भी प्रकार की आगजनी की घटनाओं को समय रहते रोका जा सके, इसके लिए जिला प्रशासन सतर्क है।

गेहूं कटाई में बिजली कटौती के बावजूद डिमांड बढ़ने से निगम की चिंताए बढ़ी

बिजली का बढ़ेगा संकट, फरवरी की अपेक्षा डिमांड 2 करोड़ यूनिट तक बढ़ी

निगम के पास फ्रिक्वेंसी का लेवल 50.12 तक पहुंचा, 48 के नीचे आते ही बिजली के लगेंगे कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे तापमान से जिले में बिजली की मांग बढऩे लगी है। इन दिनों निगम के पास फ्रिक्वेंसी का लेवल 50.12 तक पहुंच गया है, जोकि 48 के नीचे आते ही बिजली के कट लगने शुरू हो जाएंगे। यहां पर पानीपत थर्मल से वाया नरवाना बिजली की आपूर्ति होती है। तापमान में जब बिजली की डिमांड बढ़ती है तो इसका सीधा असर लाइन पर पड़ता है। लाइन पर बोझ पड़ते ही फ्रिक्वेंसी का स्तर डाऊन आ जाता है। इन दिनों अप्रैल महीने की बात करे तो फरवरी से करीब 2 करोड़ यूनिट ज्यादा की मांग चल रही है। बता दें कि अभी गेहूं कटाई के सीजन के कारण गांवों में बिजली सप्लाई दिन के समय बंद रहती है। ऐसे में आगे धान का सीजन आने पर बिजली की कितनी मांग बढ़ेगी, यह सोचकर अभी से बिजली निगम के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरवरी मास में प्रतिदिन 29 लाख से 40 लाख यूनिट प्रतिदिन की डिमांड थी जोकि मार्च में बढक़र 35 लाख से 52 लाख तक यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई। अप्रैल में गेहूं का सीजन आया तो दक्षिण हरियाणा बिजली विद्युत निगम ने गांवों में 12 घंटे बिजली कटौती शुरू कर दी ताकि गेहूं की फसल को कोई नुकसान न पहुंचे। इस सबके चलते भी अप्रैल में कटौती के बावजूद 40 लाख यूनिट प्रतिदिन की डिमांड आ रही है। बता दें कि जिला में करीब 1 लाख 50 हजार हैक्टेयर भूमि पर धान की खेती होती है। धान की बिजाई 15 जून से शुरू होनी है। धान की फसल में पानी की अधिक आवश्यकता होती है और नहरों में पानी की कमी के चलते किसान ट्यूब्वैलों पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। ऐसे में बिजली की मांग बढ़ेगी और बिजली के कट लगेंगे। इस बार तापमान अप्रैल में ही बढऩे से निगम के अधिकारियों को चिंता सताने लगी है कि जून में इसकी भरपाई कैसे होगी। मानसून आने में अभी दो माह से अधिक का समय पड़ा है, अभी से बिजली की मांग बढऩे से निगम को व्यवस्था बनाए रखना एक टेढी खीर साबित हो सकता है। बिजली निगम के फतेहाबाद सर्कल में फतेहाबाद, टोहाना, रतिया, भूना, भट्टू, जाखल पड़ते हैं। इन क्षेत्रों में फतेहाबाद, टोहाना व रतिया में धान की खेती अधिक होती है। यहां पर फरवरी मास में 10 करोड़ 48 लाख यूनिट बिजली की खपत हुई जोकि मार्च में बढक़र 12 करोड़ 85 लाख यूनिट तक पहुंच गई। अप्रैल में अब तक यह खपत 5 करोड़ 94 लाख यूनिट हो चुकी है। कटौती के बावजूद बिजली की डिमांड लगातार बढ़ रही है।

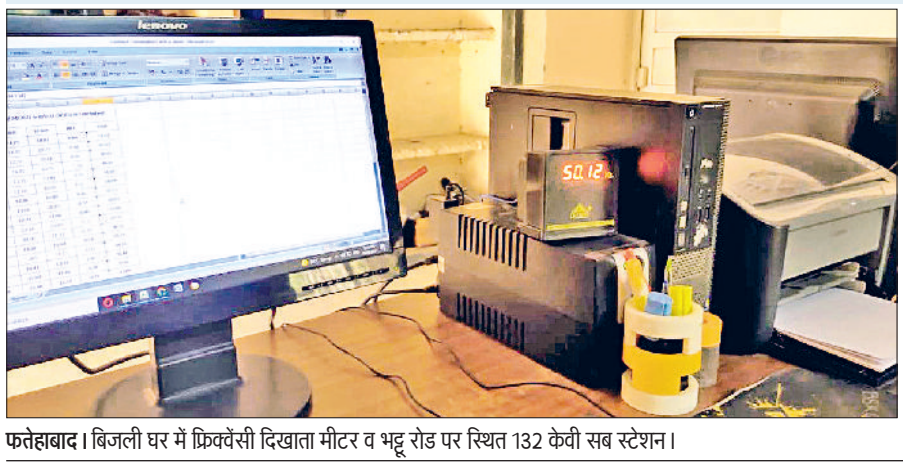

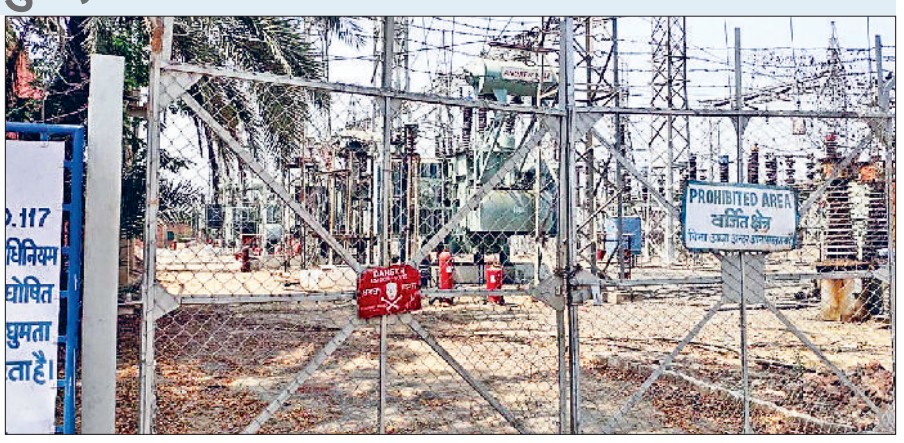

फतेहाबाद। बिजली घर में फ्रिक्वेंसी दिखाता मीटर व भट्टू रोड पर स्थित 132 केवी सब स्टेशन।

33 केवी की क्षमता बढ़ाई, 132 केवी पर नहीं दिया कोई ध्यान

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के फतेहाबाद सर्कल में इस समय 33 केवी के 60 से ज्यादा सब स्टेशन है। 132 केवी के 11 सब स्टेशन चल रहे है। बड़ी बात यह है कि यहां पर 33 केवी पर लोड बढ़ा तो निगम ने यहां 10 एमवीए ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 20 एमवीए कर दी। ऐसे ही अनेक 33 केवी सब स्टेशनों पर क्षमता बढ़ाई गई है। 132 केवी की क्षमता बढ़ाने पर अभी कोई ध्यान नहीं दिया गया, जिस कारण यह कहा जा सकता है कि लोड बढऩे पर यहां बड़ा फाल्ट भी आ सकता है।

उपभोक्ता इन नंबरों पर दर्ज करवाएं शिकायत

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम फतेहाबाद के एक्सईन संदीप मेहता ने कहा कि किसी भी प्रकार की बिजली से सम्बंधित शिकायत होने पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के टोल फ्री नंबर 1912, 1800-180-4334 तथा व्हाट्सअप नंबर 8813999708 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। इसके अलावा फतेहाबाद शहर से सम्बंधित शिकायत मोबाइल नंबर 9812201249 या 9812201247 पर दर्ज करवाई जा सकता है। लोड बढऩे के साथ पीछे से लाइट की सप्लाई बढ़ा दी जाती है। 33 केवी पर जितनी क्षमता होती है, उससे कम की सप्लाई दी जाती है ताकि कोई नुकसान न हो। 132 केवी की क्षमता बढ़ाने का प्लान समय-समय पर बनाया जाता है। निगम के मुख्यालय से आदेशों के बाद यह काम निरंतर चलता रहता है।

संदीप मेहता, एक्सईन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम,

पार्क का रख-रखाव करने वाले व्यक्ति पर गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

चौ. देवीलाल चिल्ड्रन पार्क ऑटो मार्केट में आसपास के मौजिज लोगों की एक मीटिंग हुई। जिसमें रख-रखाव के लिए ठेके पर दिए गए व्यक्ति द्वारा उचित ढंग से रख-रखाव न करने पर चर्चा की गई।

बैठक में मौजूद रामकुमार ढिल्लों, रामेश्वर जांगड़ा, महेंद्र सिंह, अरूण सांवरिया, राकेश कुमार, श्रीराम, कुलवंत सेठी, सज्जन भांभू, राहुल शर्मा, रोहताश चौहान, बलदेव, गंगा डाल, प्रताप ख्यालिया, कालुराम सहित अनेक गणमान्य लोगों ने बताया कि नगर परिषद द्वारा पुनीता मानवाधिकार के नाम रख रखाव के लिए ठेका दिया हुआ है। रख-रखाव करने वाला व्यक्ति अपनी मनमानी करता है और पार्क में आने वाले पुरुषों, महिलाओं व बच्चों से दुर्व्यवहार करता है। यही नहीं अपने साथ पार्क में 10-15 कुत्ते लेकर आता है, जोकि घूमने वाले रास्तों पर गंदगी फैलाते हैं तथा सभी को काटने को दौड़ते हैं। यही नहीं वह जहां भी बच्चे खेलते हैं या महिलाएं बैठकर भजन करती है तथा जो जिम लगा रखे हैं, वहां पर पानी छोड़ देता है, ताकि लोग वहां पर न आ सकें। सभी लोगों ने बताया कि पार्क में जो काफी बड़े-बड़े नीम और शीशम के पेड़ आंधी से गिर गए थे, उन्हें या तो बेच दिया या फिर खुर्द-बुर्द कर दिया या फिर अपने घर ले गया।

सिरसा। मीडिया के समक्ष अपनी बात रखते स्थानीय लोग।

पेड़ों पर नंबर लगाए जाने की मांग

उपस्थित लोगों ने प्रशासन से आग्रह किया कि सभी पेड़ों का नंबर लगाया जाए और जो पेड़ और लोहे का गेट व अन्य सामान गायब हुआ है, उसकी जांच करवाकर जो भी दोषी है, उससे रिकवरी करवाकर उक्त संस्था के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। मीटिंग के दौरान पार्क में एक व्यक्ति जोकि 85 प्रतिशत दिव्यांग है, भी आया हुआ था। उक्त संस्था व इससे जुड़े व्यक्ति गंगाजल बिश्नोई, जोकि राम गली कीर्तिनगर का रहने वाला है, उसने दिव्यांग व्यक्ति के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग कर उसे अपमानित करने का काम किया, जिससे लोगों में भारी रोष है। लोगों ने कहा कि अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस व मानवाधिकार भारत सरकार में इसकी शिकायत की जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस ने चलाया आक्रमण अभियान, 11 शराब तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ विशेष आक्रमण अभियान चलाते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने इनके पास से 90 बोतल देसी शराब, 141 बोतल नाजायज शराब व 180 लीटर लाहन बरामद किया है। भट्टूकलां पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान पीलीमंदौरी कैंची, बनमंदौरी रोड से पैदल आ रहे कुलदीप सिंह पुत्र भाल सिंह निवासी बनमंदौरी को काबू किया। पुलिस ने उसके पास से 15 बोतल ठेका शराब देसी बरामद की। भूना पुलिस ने गश्त के दौरान गांव सनियाना में छापेमारी कर बलविन्द्र कौर उर्फ बिन्द्र पुत्री संता सिंह निवासी सनियाना को गिरफ्तार कर मौके से 14 बोतल नाजायज शराब बरामद की। महिला ने यह शराब मकान के साथ सब्जी की क्यारी में जमीन में कैनी में डालकर दबाई गई थी। इसके अलावा भूना पुलिस ने रामलीला ग्राऊंड के पास दुकानों के आगे शराब बेच रहे अशोक कुमार उर्फ शोकी पुत्र अमरनाथ निवासी वार्ड नं. 11 भूना को काबू कर उसके पास से 13 बोतल देसी शराब बरामद की है।

कार सवार दो युवक 20 किलो डोडापोस्त सहित काबू

सिरसा। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान कार सवार दो युवकों को 20 किलो 180 ग्राम डोडापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अमृतपाल सिंह निवासी पन्नीवाला रुलदू व गुरदीप सिंह निवासी हैबूआना के रूप में हुई है। सीआईए कालांवाली प्रभारी इंस्पेक्टर जगराज ने बताया कि एसआई रामस्वरूप पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर थे। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि दो युवक अपनी कार पर डोडापोस्त बेचने का धंधा करते हैं और आज भी पोस्त बेचने की फिराक में हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए हुए स्थान पर नाकाबंदी की। इसी दौरान गांव पन्नीवाला रुलदू की ओर एक कार आई जिसमें सवार लोगों ने पुलिस को देखकर अचानक ब्रेक लगाए जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सडक़ के साइड में झाडिय़ों से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने गाड़ी सवार दोनों युवकों को काबू कर कार की तलाशी ली तो कार में से 20 किलो 180 ग्राम डोडापोस्त बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत पुत्र प्रणाम सिंह निवासी पन्नीवाला रुलदू व गुरदीप सिंह पुत्र गुरजंट सिंह निवासी हैबूआना के रूप में हुई है।

ग्रामीण रूटों पर बस सेवा ठप रहने से दिनभर रही परेशानी

धन्ना भगत जयंती में फतेहाबाद से गई रोडवेज बसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जींद जिले के उचाना हलके के गांव पालवा में आयोजित राज्य स्तरीय धन्ना भगत जयंती समारोह में फतेहाबाद से भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यकर्ताओं को फतेहाबाद से ले जाने के लिए ग्रामीण रूटों से रोडवेज बसों को हटाकर उचाना भेजा गया था। ग्रामीण रूटों पर बस सेवा ठप्प रहने से ग्रामीणों को दिनभर परेशानियों का सामना करना पड़ा। फतेहाबाद स कार्यकर्ताओं को ले जाने के लिए रोडवेज की 75 बसें लगाई गई। इन कार्यकर्ताओं को रास्ते में जलपान भी उपलब्ध करवाया गया। जलपान के लिए बाकायदा जनसंपर्क विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। बता दें कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर रोडवेज प्रशासन की ओर से 40 बसें फतेहाबाद व रतिया और 35 बसें टोहाना से भेजी गई।

- जींद जिले के उचाना हलके के गांव पालवा में आयोजित राज्य स्तरीय धन्ना भगत जयंती समारोह आयोजित

लंबे रूटों पर संचालन रहा सामान्य

रोडवेज प्रशासन की ओर से ग्रामीण रूटों से हटाकर बसों को उचाना भेजा गया। इनमें अधिकतर वह बसें रही, जिनकी गांवों में नाइट स्टे करवाई जाती है। इन बसों के उचाना जाने के कारण ग्रामीण रूटों के फेरे मिस हो गए। इस कारण गांवों के रूटों की सवारियों ने परेशानी झेली। हालांकि, लंबे रूटों पर बसों का संचालन सामान्य दिनों की तरह ही रहा। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार धन्ना भगत जयंती समारोह से आने के बाद इन रोडवेज बसों को इनके निर्धारित रूटों पर सोमवार को ही भेजा जा सकेगा। समारोह के खत्म होने के बाद बसों को लेकर कर्मचारी शाम तक ही लौट पाएंगे। बता दें कि पूर्व में हिसार में आयोजित एयरपोर्ट उद्घाटन समारोह में भी फतेहाबाद से रोडवेज व निजी बसों में भरकर कार्यकर्ताओं को भेजा गया था।

ऑटो मार्केट में बना गंदगी का सामाज्य एक महीने से नहीं उठाया जा रहा कचरा

रतिया। शहर के फतेहाबाद रोड पर ऑटो मार्केट में पिछले लगभग 1 महीने से सफाई कर्मचारियों द्वारा बनाए गए डंपिंग पॉइंट से कचरा ना उठाए जाने के कारण मार्केट में गंदगी का साम्राज्य पैदा हो गया है और दुकानदारों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली के प्रति रोष प्रकट किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, नगर विकास मंत्री विपुल गोयल, जिला उपायुक्त मनदीप कौर व जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई को शिकायत पत्र लिखकर सफाई व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। दुकानदार मखन लाल, नितिन, अमित मोंगा, बलविंदर सिंह, भजन सिंह, राजेश कुमार, प्रवीन जैन, सुखविंदर सिंह ने बताया कि फतेहाबाद रोड पर ऑटो मार्केट बनी हुई है जिसमें नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा कुछ महीने पहले ही ऑटो मार्केट के बीचो-बीच डंपिंग पॉइंट बना दिया गया है। यहां पर आसपास के क्षेत्र से कचरा लाकर वहां पर गिराया जाता है। उन्होंने बताया कि जब डंपिंग पॉइंट बनाया गया था तो दुकानदारों ने उसका विरोध भी किया था लेकिन नगर पालिका कर्मचारियों ने उनकी एक बात नहीं सुनी।

जिला प्रशासन ने गर्मी के मद्देनजर जिलावासियों से किया आह्वान, सावधानियों का रखें ख्याल

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए एहतियात बरतें जिलावासी: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

धूप में निकलते समय काला चश्मा, छाता, पगड़ी, दुपट्टा, टोपी, जूते या चप्पल पहनें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी जरूर रखें। घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें। कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, दौरे जैसे हीट स्ट्रोक, हीट रैश के संकेतों को पहचानें। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। अपने घर को ठंडा रखें। धूप से बचने के लिए दिन के दौरान पर्दे, शटर का उपयोग करें किंतु रात में खिड़कियां खुली रखें। पंखे का प्रयोग करें और ठंडे पानी से नहाएं।

जिला प्रशासन ने गर्मी के मद्देनजर जिलावासियों से आह्वान किया है कि वे हीट स्ट्रोक से बचने के लिए जरूरी बचाव, उपाय व सावधानियां बरतें। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि हीट वेव की स्थिति शारीरिक तनाव के साथ-साथ यह जानलेवा भी हो सकती है। हीट वेव के प्रभाव को कम करने और हीट स्ट्रोक के कारण गंभीर बीमारी या मृत्यु से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतें।

क्या करें

स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान के लिए समाचार पत्र पढ़ें, रेडियो सुनें, टीवी देखें ताकि अपने क्षेत्र में गर्मी की तीव्रता का पता रहे। पर्याप्त पानी पीएं, हल्के रंग के ढीले और छिद्रपूर्ण सूती कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय काला चश्मा, छाता, पगड़ी, दुपट्टा, टोपी, जूते या चप्पल पहनें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी जरूर रखें। घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।कमजोरी, चक्कर आना, सिर दर्द, दौरे जैसे हीट स्ट्रोक, हीट रैश के संकेतों को पहचानें। यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। अपने घर को ठंडा रखें। धूप से बचने के लिए दिन के दौरान पर्दे, शटर का उपयोग करें किंतु रात में खिड़कियां खुली रखें। पंखे का प्रयोग करें और ठंडे पानी से नहाएं। कार्य स्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध रखें। श्रमिक सीधी धूप से बचने के लिए जरूरी सावधानी बरतें। कार्य के लिए दिन के कम तापमान वाले समय का चयन करें। बाहरी गतिविधियां कम करें। गर्भवती महिलाओं और श्रमिकों को गर्मी से बचाव पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए।

- धूप में निकलते समय काला चश्मा, छाता, पगड़ी, दुपट्टा, टोप पहनें
- पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें

क्या न करें

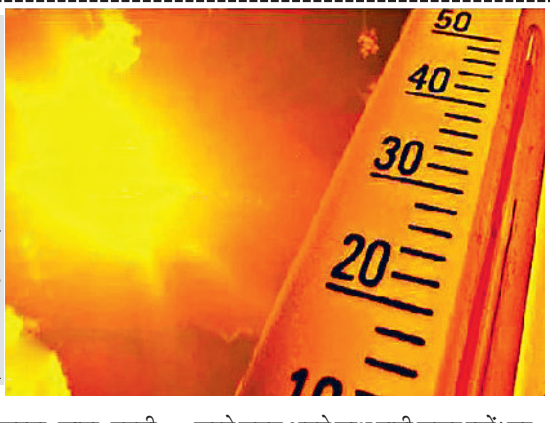

धूप में बाहर जाने से बचें, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने का प्रयास करें। गहरे, भारी या तंग कपड़े पहनने से बचें। बाहरी तापमान अधिक होने पर कठोर श्रम वाली गतिविधियों से बचें। अधिक गर्मी के समय खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र को पूरी तरह से हवादार बनाएं जिसके लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय पीने से बचें। उच्च प्रोटीन वाले तथा बासी भोजन न करें। बच्चों और पालतू जानवरों को अकेला न छोड़ें। पशुओं को छाया में रखें और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें।

लोक गायन

लोक संगीत का तात्पर्य पारंपरिक संगीत और लोक संगीत की आधुनिक धारणा दोनों से हो सकता है। हरियाणा प्रदेश में लोक गायन की अलग-अलग शैलियां प्रचलित हैं जैसे घरवा गायन, झूलना, पटका, रसिया, आदि। ये शैलियां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गायकों द्वारा गाए जाने या प्रस्तुत किए जाने के तरीके में एक-दूसरे से भिन्न हैं। इसी तरह गाथाएं लोक संगीत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनमें आमतौर पर ऊपर बताए गए गीतों की तरह लोक कविता के गीतात्मक गुण नहीं होते। वे समुदाय का अलिखित इतिहास हैं।

लुप्त होती प्रदेश की अनमोल विरासत रागनी

कला-संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की लोकसंस्कृति में रागनी एक महत्वपूर्ण कला है, जो समय के साथ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम रही है, बल्कि सामाजिक संदेश देने, वीर रस जगाने और लोक इतिहास को संजोने का एक प्रभावशाली ज़रिया भी रही है। हरियाणा की रागनी न केवल मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम रही है, बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह लोककला सिर्फ़ संगीत नहीं, बल्कि एक आंदोलन रही है, जिसने लोगों को जागरूक किया, बुराइयों के खिलाफ खड़ा किया और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। हरियाणवी रागनी लोकसंस्कृति का अभिन्न अंग रही है और इसके प्रचार-प्रसार में जाहरवीर कल्लू खां, अजीत सिंह गोरखपुरिया, दयाचंद लांबा, राजेंद्र खड़खड़ी, जसमेर खरकिया, सुरेंद्र भादू, सूरजभान बलाली, मामन खान, सतीश ठेठ, कविता कसाना के साथ-साथ और भी कई महान कलाकारों का योगदान रहा है। आज भी कई युवा कलाकार रागनी को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे डिजिटल मंचों के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। हरियाणवी रागनी को जीवित रखने में संदीप सरगथलिया, वीर सिंह फौजी, धर्मवीर नागर, राजबाला, मास्टर छोटूराम बड़वा जैसे कई कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी मेहनत और समर्पण से यह लोककला आज भी जीवित है, हालाँकि इसे और संरक्षण और प्रोत्साहन की ज़रूरत है।

रागनी हरियाणवी लोकगीतों और कविताओं का एक विशिष्ट रूप है, जिसे मुख्य रूप से हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गाया जाता है। इसमें वीरता, प्रेम, भक्ति, सामाजिक मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है। पहले यह कला अखाड़ों और मेलों में बहुत लोकप्रिय थी, जहां गायक अपनी आवाज़ और जोश के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रागनी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और समानता पर ज़ोर दिया गया। कई लोकप्रिय रागनियों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं पर अत्याचारों का विरोध किया गया है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ जैसे संदेशों को रागनी ने जन-जन तक पहुंचाया।

हरियाणवी समाज में जातिगत भेदभाव को ख़त्म करने और समानता का संदेश देने में रागनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। कई प्रसिद्ध रागनियों ने बताया कि सभी मनुष्य समान हैं और कर्म को जाति से ऊपर रखना चाहिए। रागनी के माध्यम से शराब, जुए और अन्य नशों की लत से बचने के संदेश दिए गए। कलाकारों ने इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रेरक गीत गाए। हरियाणा की ग्रामीण जनता के लिए रागनी एक ताकत बनी। इसमें किसानों की समस्याओं, मजदूरों के अधिकारों और सरकार से उनकी माँगों को जोरदार तरीके से उठाया गया। कई रागनियों में किसान आंदोलनों, फ़सल के सही दाम और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए गए हैं।

ब्रिटिश राज के दौरान रागनी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक प्रभावशाली हथियार बनी। लोकगायक अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना भरते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान करते थे। आज के दौर में भी रागनी समाज सुधार का माध्यम बनी हुई है। डिजिटल मीडिया और मंचों पर युवा कलाकार सामाजिक मुद्दों पर रागनी प्रस्तुत कर रहे हैं। हरियाणवी लोकसंस्कृति की पहचान रागनी समय के साथ लुप्त होती जा रही है। कभी गाँवों के चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूँजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गाँवों में बैठकर बुजुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। नवीन मनोरंजन साधनों टीवी, इंटरनेट और पॉप संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण युवा पीढ़ी लोककला से दूर होती जा रही है। आधुनिक संगीत उद्योग में रागनी को वह स्थान नहीं मिला जो अन्य संगीत शैलियों को मिला है। युवा पीढ़ी इसे करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित नहीं हो रही है।

> कभी गांवों की चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूंजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गांवों में बैठकर बुज़ुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम भी उपलब्ध नहीं हैं।

इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं। रागनी को नए संगीत वाद्ययंत्रों और आधुनिक ध्वनि तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि यह युवाओं को भी आकर्षित कर सके। हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में रागनी को स्थान दिया जाए। रागनी को रैप और हिप-हॉप जैसी आधुनिक शैलियों के साथ मिलाकर फ्यूज़न रागनी तैयार की जाए, जिससे यह युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे। हरियाणवी लोकसंस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रागनी आज विलुप्ति के कगार पर है। मनोरंजन के आधुनिक साधनों के आगमन और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण यह कला पिछड़ती जा रही है। यदि समय रहते इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत केवल किताबों में ही देखने को मिलेगी। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी इसकी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालयों में लोककला और संगीत की पढ़ाई के अंतर्गत रागनी पर शोध को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को पारंपरिक संगीत में रुचि दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों को लोक महोत्सवों में रागनी को विशेष स्थान देना चाहिए। यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे युवाओं तक पहुँचाया जा सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी की शिक्षा दी जानी चाहिए। लोक कलाकारों को आर्थिक और सामाजिक समर्थन दिया जाना चाहिए। रागनी केवल एक गीत शैली नहीं, बल्कि हरियाणा की संस्कृति की पहचान है। यदि इसे संरक्षित करने के लिए उचित क़दम नहीं उठाए गए, तो यह अमूल्य धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगी।

अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से लोकप्रिय बनाएं और इसकी समृद्ध परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। रागनी केवल लोकगायन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। यह सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाने, सुधार की ओर प्रेरित करने और बदलाव लाने की ताकत रखती है। अगर इसे सही दिशा में प्रोत्साहित किया जाए, तो यह समाज सुधार की एक मज़बूत नींव बन सकती है।

रागनी सिर्फ़ गीत नहीं, ये समाज की आवाज़ है!
लोककला हमारी पहचान है, इसे बचाना हमारी शान है!

कविता | संदीप शर्मा

खेल पुराणे कड़ै गए

बता रै बील्ले खेल्या करते, वैं खेल पुराणे कड़ै गए ।
बित्ती डंडा गोली कंचे, रोज उल्हाणे कड़ै गए ।

चौक पै टोफी बेच्या करता, वो ताऊ भोळा कड़ै गया
कित गए कलम दवात बता, कट्टे का झोळा कड़ै गया
तीन और दो का करा फैसला, यार बिचौला कड़ै गया
भाड मैं भूगडे भुन्या करता, वो दादा ढोला कड़ै गया
बिन्या लीतर् यां हान्डया करते, वैं सीम सिमाणे कड़ै गए

कित गया बड कित गया पीपळ,कित जाम्मण आळा मोर गया
कित गई कात्तर की गींडी, कित खेल वो घट्टाटोर गया
कित गई गाड्डी कित गए रहड़ू, कित वो कच्चा गोहर गया
कित गए हाळी कित गए पाळी, कित वो डांगर ढोर गया
कड़ै सिपाही चोर गया,ल्हुक क नैं डराणे कड़ै गए ।

बाग तलक जो फैले थे वैं, शीशम जांडी कड़ै गए
ऐडी ठा चढ चीज मिलै, वैं टांड और टांडी कड़ै गए
जेठ मैं पाणी सीळा रह वैं, बास्सण हांडी कड़ै गए
राम बरसतए उतर् या करते,वैं पूडे मांडी कड़ै गए
वैं माणस आंडी कड़ै गए,वैं टेम सुहाणे कड़ै गए ।

होया करदी सन्दीप कदे आडै,ऊँची हाट चुबार् यां की
कित गई प्यारे की साईकल जो,लदी रहै थी सार् यां की
छींटे दे-दे थळस्या करते,कित गई पाळ वैं गार् या की
कित पीत्तलके डेग गए कित, आग्य चली गई हार् यां की
कित का डंडा की जाळ गई,जोहडां मैं न्हाणे कड़ै गए ।

कविता | सरोज दहिया

किसनै भारत देस बिंगाड़्या

साड्डा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये;
फिल्मां सेत्ती फैसन फैलया, सत करम मिलैं ना टोह्ये ।

झूठी साच्ची घड़ै कहाणी, लोगां नै भरमावैं,
मूरख छोड्डैं काम, अकलबंद नाम्मा खूब कमावैं;
भांड-भडेले-सांगी सारे, एक्टर ईब कहवावैं,
पहल्यां करैं कमाई, फेर संसद म्हैं कुर्सी पावैं ;

नंगड़ जादू सीख गये , सारे नर-नारी मोह्ये,
साड्डा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

फिल्मां की थी कसर किते, वा इस डिजिटल नै हर ली,
चैनल खूब खखाटे ठार्हे, सरम समूची मर ली ;
झूठी कहाणी तैर रही सैं, साची बरगी लाग्गै,
बुद्धि ऊपर पड़दे पड़गे, लोग रात नै जाग्गै ;

धरम-करम ना रहे बखत पै, हांडैं खोये खोये,
साड्डा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

ज्ञान रह्या ना आश्रमां का, काम वरण तै न्यारे;
बाह्मण पनही बेच रहे सैं, छतरी बणे बिचारे;
जमींदार नै धरती बेची, होगे वारे-न्यारे,
मीहने आळी तनख़ा भा गी, ओट रहे दुत्कारे ;

'दहिया' नै तै गाम-काम म्हैं, जिंदगी के सुख टोह्ये,
साड्डा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये ।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शक्तिपीठ | राजस्थान के करौली जिले के कैलादेवी गांव में स्थित शक्तिपीठ उत्तर भारत के करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां विशाल मेला लगता है

सिद्ध शक्तिपीठ राज राजेश्वरी कैलादेवी मंदिर

धर्म | विकास खितौलिया

ततः कलियुगे प्राप्ते कैलो नामा भविष्यति ।
मम भक्तस्तस्य नामना भाव्या कैलेश्वरीत्यहम् ।।

प्राचीन ग्रन्थों, स्कन्दपुराण में माता के प्राकट्य एवं चरित्र की अनेक कथायें मिलती हैं । पूर्व में इस कैलादेवी मन्दिर में केला मां का यह श्री विग्रह कब और कहाँ से आया, इसका कोई प्राचीन लिखित लेख, अभिलेख या बीजक तो मिलता नहीं। हाँ, जनश्रुति तथा वृद्धजनों के आधार पर इस सिद्धपीठ की स्थापना के विषय में जो कुछ मैया केला रानी के चमत्कारों और उत्पति की अनेक किवदन्तियों से ज्ञात हो सका वह इस प्रकार है कि प्राचीनकाल में बाँसीखेड़ा के पास एक प्राचीन ग्राम लोहर्रा के भयानक जंगल में स्थित गिरी, कन्दराओं में एक दानव रहता था जिसके आतंक के कारण संयासी एवं आमजन ग्रामवासी थर-थर कांपते थे। वहीं लोहर्रा ग्राम से कुछ दूरी पर वर्तमान मन्दिर से 3 किमी दूर एक गुफा में जहाँ बाबा केदारगिरि, माँ भगवती की उपासना तप किया करते थे। दानव के आतंक से मुक्ति दिलवाने के लिए बाबा केदारगिरि ने स्वयं हिंगलाज पर्वत पर जाकर घोर तपस्या की और मां कैलादेवी को प्रसन्न किया और वरदान मांगा कि वह दानव का नरसंहार करे। कुछ समय पश्चात ने उस दानव का मां कैला ने एक कन्या के रूप में कालीसिन्ध नदी के तट पर वध कर दिया। वर्तमान समय में इस स्थान को दानवदह (दानादह) के नाम से जाना जाता है जहां एक बडे पाषाण पर आज भी दानव के पैरों के चिन्ह तथा माताजी के चिन्ह एक शिला पर बने हुए हैं। दानव के वध के पश्चात बाबा केदारगिरी ने कैलादेवी प्रतिमा की स्थापना 1114 ई. में की थी। कैला ग्राम के समीप घोर बियावान जंगल के त्रिकूट नामक पर्वत पर राज राजेश्वरी कैलादेवी का दिव्य मन्दिर है। इस विशाल बियावान जंगल को कैलादेवी अभयारण्य कहा जाता है। यह उत्तर भारत के सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मन्दिर के नीचे धनुषाकार में एक नदी बहती है जिसे कालीसिल (शिला) नदी कहा जाता है। लगभग सन्‌ 1700 ई. में पुनः निर्मित कैला देवी माँ का यह सिद्ध शक्तिपीठ करौली राज्य जनपद में होने के कारण ही इन्हें करौली वाली माता भी कहा जाने लगा।

बोहरा भगत की किवदन्ती के अनुसार वह अपनी बकरियाँ को उस दुर्गम पहाड़ियों पर चराता था, प्रतिदिन उसकी बकरियां एक विशेष स्थान पर अपना दूध सृवित करती थी। उसने भक्ति भाव से इस स्थल की खुदाई की तो मां केला देवी की प्रतिमा निकली। भगत ने भक्तिपूर्वक पूजन कर ज्योति जगाई धीरे-धीरे प्रतिमा की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैल गई। निकटस्थ आमपीतुपुरा ग्राम के मीणा परिवार ने अपनी भक्ति से देवी को प्रसन्न किया। तभी से उसी परिवार के बंशज देवी का भाव प्रकट करके गोठिया कहलाते हैं। अधिकांश लोगों में चर्चा रहती है की माँ कैला देवी की मूर्ति का मुख एक ओर टेढ़ा क्यों है। इस बारे में भी कई किवदन्तियाँ हैं। इनमें कौनसी बात सही है, यह बताना मुश्किल है। कुछ विद्वान लोगों का विचार है कि मां चामुण्डाजी तमोगुणी है और वह मांस मदिरा आदि का भक्षण करती है और माँ कैलादेवी सात्विकी, सतोगुणी है और वे इन चीजों का सेवन नहीं करतीं इसलिए मातेश्वरी केला ने अपना मुख चामुण्डा देवी की ओर से घुमा लिया है ।

एक किवदन्ती के अनुसार आगरे के रहने वाले गोली भगतजी भी कैलादेवी का अनन्य भक्त था जो पुराने जमाने में बैलगाड़ियों के रसाले के साथ देवी भक्तों को लेकर प्रति वर्ष कैलादेवी मंदिर आता था। गोली भक्त को किसी कारणवश मन्दिर में दर्शन नहीं करने दिये, इससे माँ कुपित हो गई और इसी से उनका मुख एक ओर टेढ़ा हो गया। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि माताजी का एक भक्त जाते समय माँ से कह गया था कि माँ मैं जल्दी ही लौट कर आऊँगा लेकिन वह फिर नहीं आ सका। अतः माँ का भक्त जिस दिशा में गया था, उसी ओर देखकर उस भक्त की प्रतीक्षा कर रही है।

माँ श्रीकैलादेवी का यह मन्दिर अब जिस भूमि पर बना हुआ है, वह भूमि कभी चम्बल नदी के पार कोटा राज्य में खींची राजा श्री खींची मुकुन्ददास के अधिकार में थी। इन्होंने श्रीकैलादेवी मन्दिर से लगभग 10 किमी. दूर दक्षिण में बसे बाँसीखेरा गाँव में स्थापना बीजक सम्वत 1207 में मां चामुण्डा की मूर्ति स्थापित कर उसकी आराधना की थी। बाँसीखेरा ग्राम खण्डर रूप में परिवर्तित होने के कारण चामुण्डा मैया की यही मूर्ति बाद में सेवा-पूजा के अभाव के कारण करौली के महाराज श्री गोपालसिंह के द्वारा 1708 ई. में यहाँ प्रतिष्ठित हुई । 1787 में मन्दिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ बाद में अन्य परवर्ती करौली यदुवंशी शासकों द्वारा समय समय पर मंदिर का व्यापक विकास होता चला आ रहा है। राजा जयसिंहपाल, राजा अर्जुनपाल, राजा भंवरपाल, राजा कृष्ण चंद्रपाल, युवराज विवासतपाल ने मंदिर में अनेक विकास कार्य मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से करवाए । प्रतिवर्ष यहाँ अमावस्या से लेकर नवमी तक हजारों दर्शनार्थी पहुँचते हैं। किन्तु चैत्र माह की नवरात्रें के दिनों में तो अपार जन-समूह एकत्र होता है। लाखों जात देने वाले परिवार यहाँ पहुँचकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं। अपनी माता की पहली जात देने की लिए श्रद्धालुजन विवाह पश्चात नवविवाहित जोड़े को लेकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं और संतान प्राप्ति का सुख पाकर एवं अपनी मन्नत पूरी करने के पश्चात भी आते है । यहाँ नवरात्रों के समय विशालतम लक्खी मेला का आयोजन होता है जिसे कुम्भ के बाद उत्तर भारत का दूसरा धार्मिक मेला माना जाता है। प्रतिदिन रोजाना लाखों की संख्या में दूरदराज के पदयात्री ध्वज लेकर आते हैं। मेले के दौरान महिला यात्री सुहाग के प्रतीक के रूप में हरे रंग की चुड़ियां एवं सिंन्दूर की खरीदारी करती हैं।

समाज निर्माण में फिल्मों का अहम योगदान : अशोक वर्मा

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी सिनेमा के दौर को जीवंत करने के लिए फिल्म और लोक कला से जुड़े कलाकारों ने अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत करने के लिए बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। ऐसे कलाकारों में पिछले लंबे समय से हरियाणवीं फिल्म उद्योग से जुड़े अभिनेता अशोक वर्मा भी शुमार है, जिन्होंने समाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर फिल्मों, वेब सरीज और सीरियलों में अपनी अभिनय की कला के साथ फिल्म निर्माता के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी सिनेमा में लेखन और अभिनय के साथ हास्य कलाकार के रुप में उन्होंने हिरयाणवी संस्कृति और सामाजिक सरोकार से जुड़ मुद्दों को सर्वपरि रखते हुए युवा पीढ़ी को भी सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है। फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें फिल्मों की पटकथा का सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरियाणवी फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा का जन्म 6 सितंबर 1982 को जींद जिले के गांव रामकली में धर्मवीर वर्मा और ओमपति देवी के घर में हुआ। उनके पिता जींद के सफीदों में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में फोरमैन के पद पर तैनात रहे, जहां वह बचपन से ही परिवार के साथ रहते हैं। घर परिवार में भले ही कोई सांस्कृतिक या कला का माहौल नहीं था, लेकिन अशोक वर्मा को बचपन से ही सांस्कृतिक गतिविधियों में रुचि थी। स्कूल के दौरान वह बाल सभाओं में होने वाले वाले कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करते थे। बकौल अशोक वर्मा, साल 2001 में वह जब लैब तकनीशियन की परीक्षा देने चंडीगढ़ गए, तो पता चला कि पंजाबी हास्य कलाकार जसपाल भट्टी भी यहीं रहते हैं और उन्होंने उनसे मुलाकात करके अपनी कला को साझा किया। उन्होंने अपने साथ काम करने का मौका दिया और यहीं से उनका पंजाबी सीरियल प्रोफेसर मनी प्लांट से कला के क्षेत्र में करियर शुरू हुआ। अशोक वर्मा ने बचपन में फिल्मों में काम करने का जो सपना संजोया था उसी लक्ष्य के साथ वह 2005 में मुंबई पहुंच गये, जहां उन्होंने अपने एक दोस्त एवं टीवी सीरियल डायरेक्टर अभिषेक भोला के कहने पर हिंदी बॉलीवुड फिल्म 'गोल्डन बॉयज' के लिए ऑडिशन दिया, जिसके लिए उन्हें डॉक्टर के किरदार के रूप में असरानी और मुकेश तिवारी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसी दौरान उन्होंने स्टार प्लस टीवी धारावाहिक में बॉलीवुड अभिनेता के साथ भी अभिनय करने के अलावा हिंदी सीरियल लापतागंज में काम किया, लेकिन कुछ परिवारिक समस्याओं के कारण उन्हें वापस हरियाणा आना पड़ा। उन्होंने हरियाणवी वेब सीरीज़ भूतां का बटेऊ, फिल्मी थाना, दो जुगाड़ी, पहलवान बहु, फंडू सरपंच, फंडू का स्कूल, टाइम पास, धर्मे का कुनबा आदि कई अन्य फिल्मों में हास्य कला का प्रदर्शन किया। तब से वह लगातार हरियाणवी फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं।

ऐसे मिली अभिनय को मंजिल

अभिनेता अशोक वर्मा ने पिछले दो दशक से ज्यादा समय में हरियाणवी, पंजाबी और हिंदी सिनेमा में काम करते हुए फिल्म निर्माता और फिल्म पटकथा लेखक के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। अब तक 15 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने के साथ उन्होंने करीब 20 वेब सीरीज में भी प्रमुख अभिनेता का किरदार निभाया। उनके द्वारा निर्मित हिट फिल्मों में पुनर्जन्म, रमेश रोशनी की लव स्टोरी, वीर किसान, स्वर्ग वर्सेस नरक, भाईचारा आदि में अपने अभिनय की कला को दिखाया है। लोकप्रिय फिल्म निर्माता एवं अभिनेता की आने वाली फिल्मों में मासूम शर्मा, यशपाल शर्मा व सपना चौधरी के साथ फिल्म 'लाइसेंस' मुकेश दहिया के साथ फिल्म 'हलालपुर' के अलावा प्रीत पराई, कमीनो के सुपर स्टार, धीमा जहर, हैलो पुलिस, गडरिया, हॉरर, अनामिका होंगी। वहीं सुमन सेन और अनामिका बावा के साथ फिल्म 'एक रहस्य' और फिल्म 'रोहतक कब्ज़ा' हैं, जिसमें उन्होंने आशुमन प्रोडक्शन के तहत निर्माता की भूमिका भी निभाई है। इसके अलावा अशोक वर्मा ने अमित सैनी रोहतकिया, मासूम शर्मा, एमडी, केडी, देव कुमार देवा, सुरेंदर रोमियो, मनीष मस्त, जीतू जी, विक्की काजला अन्नू कादयान, वीर साहू, सपना चौधरी आदि हरियाणवी टॉप सिंगरों के साथ भी करीब 400 हरियाणवी गानो में बतौर मॉडल व अभिनेता काम किया है। वहीं सरकार, राजनीतिक और विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन फिल्मों में भी एक्टिंग की है।

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणवी फिल्म निर्माता एवं अभिनेता अशोक वर्मा की फिल्म 'धीमा जहर' को हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक के एमडीयू में आयोजित हरियाणा फिल्म महोत्सव में बेस्ट एडिटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। साल 2022 में ग्लोबल आईकोनिक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

इंटरलॉक फैक्ट्री में चोरी के आरोपी को जेल भेजा

फतेहाबाद। गांव धांगड़ स्थित इंटरलॉक फैक्ट्री में घुसकर हजारों का सामान चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान सुनील उर्फ आलू पुत्र रोहताश निवासी बीघड़ रोड, ढाणी धांगड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक इन्वर्टर और एक ग्राइंडर भी बरामद किया है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर हिसार जेल भेजा गया है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर कुलदीप ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 26 फरवरी को गांव धांगड़ निवासी बलवान सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी धांगड़ में इंटरलाक की फैक्ट्री है। गत दिवस अज्ञात चोर उसकी फैक्ट्री में घुस गया और कमरे का ताला तोडक़र वहां से 1500 की नकदी, इन्वर्टर व ग्राइंडर चोरी कर ले गया है। इस मामले में जांच अधिकारी एचसी कविता देवी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे गिरफ्तार कर उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है।

दुकान में चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। गांव एमपी सौत्र में एक दुकान में चोरी करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान हरी सिंह उर्फ हरिया पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी एमपी सोत्र के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। थाना भूना प्रभारी इंस्पैक्टर सुरेन्द्र ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 18 अप्रैल को गांव एमपी सौत्र निवासी बिंदर सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी गांव में सरकारी स्कूल के पास शैटरिंग की दुकान है। गत दिवस शाम को अज्ञात चोर दुकान का ताला तोडक़र वहां से गऊशाला का दानपात्र चोरी कर ले गए है।

अवैध शराब और 6 कारतूस सहित एक काबू

हिसार। अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने सूर्य नगर रेलवे लाइन के पास से एक व्यक्ति को काबू कर 7 बोतल, 72 पव्वे शराब और 6 कारतूस बरामद किए है। मुख्य सिपाही विक्रांत के बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर सूर्य नगर रेलवे लाइन के पास से एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब बेचते हुए काबू किया।

बिजली निगम करेगा शिकायतों का निस्तारण

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।'पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुलझाया जा सके।

सरकारी स्कूल से खाद्य सामग्री चोरी

बरवाला। नजदीकी गांव खरक पूनियां स्थित सरकारी स्कूल में बने प्ले स्कूल से अज्ञात व्यक्ति द्वारा खाद्य सामग्री चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गेहूं के दाम बढ़ने की आशंका के चलते स्टॉक करने की मिल रही शिकायतें

सीएम फ्लाइंग टीम ने आढ़तियों के गोदामों में की छापेमारी, गेहूं का स्टॉक जांचा

- टीम ने यहां अनाज मंडी की प्रमुख 5 दुकानों और उनके गोदामों में जाकर किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। आढ़तियों के गोदामों में गेहूं का स्टॉक चैक करते सीएम फ्लाइंग टीम के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आढ़तियों द्वारा गेहूं खरीद में अनियमितताएं बरतने की मिल रही शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए सीएम फ्लाइंग की टीम ने रविवार को शहर की अनाज मण्डी में दबिश दी। टीम ने यहां अनाज मण्डी की प्रमुख 5 दुकानों और उनके गोदामों में जाकर गेहूं के स्टॉक को चैक किया और कागजात जांचे।

सीएम फ्लाइंग द्वारा चेकिंग की सूचना मिलने के बाद आढ़तियों में भी हडकंप का माहौल देखा गया। बता दें कि व्यापार से जुड़े एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस बार किसानों का गेहूं मण्डियों में बिकते ही गेहूं के दाम आसमान छूएंगे। इन्हीं संभावनाओं के चलते किसान और आढ़तियों द्वारा गेहूं का स्टॉक करने की खबरें लगातार सुर्खियां बन रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार, सीएम फ्लाइंग हिसार को गुप्त सूचना मिली कि फतेहाबाद में गेहूं की सरकारी खरीद और प्राइवेट खरीद में मार्केट फीस जमा न करवाकर अनियमितताएं की जा रही है। इस सूचना पर सीएम फ्लाइंग के एसआई राजेश कुमार, हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र कुमार ने फतेहाबाद मार्केट कमेटी सचिव यशपाल मेहता के साथ ज्वाइंट टीम बनाई। इस टीम ने दुकान नंबर 96 की फर्म पैनमेश्वरी दास घनश्याम दास की दुकान और खैरातीखेड़ा रोड पर बने गोदाम, दुकान नंबर 43 की केपी केमिकल फर्म की दुकान और खैरातीखेड़ा रोड पर गोदाम, दुकान नंबर 84 की नंदलाल कैलाश चंद्र फर्म की दुकान और सिरसा रोड स्थित गो ग्रीन गोदाम, दुकान नंबर 79 की फर्म फतेह सिंह नियामत सिंह की दुकान और सिरसा रोड स्थित गोदाम और दुकान नंबर 75 की फर्म धर्मपाल ओमप्रकाश की दुकान और गोदाम में जाकर जांच की।

सभी गोदामों में खरीद मिली सही

सीएम फ्लाइंग के अधिकारियों की ओर से स्टॉक रजिस्टर व गेट पास के अनुसार इन फर्मों की गेहूं का मिलान किया गया। मिलान करने पर सभी गोदाम में गेहूं की खरीद सही पाई गई। सीएम फ्लाइंग के एसआई राजेश कुमार के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। भविष्य में भी अगर कोई सूचना या शिकायत आएगी तो जांच की जाएगी। इस जांच रिपोर्ट को उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा।

बच्चों को साइबर क्राइम के प्रति करें जागरूकः एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ डबवाली

- बच्चों को साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में भी जागरूक करें

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने अभिभावकों को सलाह दी है कि वे अपने बच्चों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करें। साथ ही कहा कि हम सब यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारा बच्चा साइबर अपराध का शिकार न बने। इसके लिए हमें बच्चों की निगरानी करनी पड़ेगी। निगरानी की कमी खतरनाक साबित हो सकती है। एसपी ने कहा कि हम अक्सर बच्चों को माता-पिता के उपकरणों के साथ-साथ संवेदनशील व्यक्तिगत वित्तीय डेटा तक माता-पिता की निगरानी के बिना एक्सेस करते देखते हैं। अपने माता-पिता के फोन तक पहुंच बेहद खतरनाक है क्योंकि बच्चे इंटरनेट पर हिंसक या आपत्तिजनक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। अगर बच्चे अपने माता पिता की जानकारी के बिना उनकी ऑनलाइन बैंकिंग सुविधाओं का उपयोग कर ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो कानूनी रूप से यह एक अपराध है। साइबर अपराध कंप्यूटर नेटवर्क, कंप्यूटर संसाधनों या समग्र रूप से डिजिटल संचार उपकरणों की मदद से किए गए अपराध हैं, जबकि बच्चे इस तरह के अपराधों के लिए सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। यदि उन्हें उचित रूप से संवेदनशील नहीं बनाया गया तो वे किशोर अपराधियों में भी बदल सकते हैं।

नकली टेक्स्ट मैसेज भेजकर 69 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने वाले दो युवक गिरफ्तार

हांसी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने नकली टैक्स्ट मैसेज भेजकर 69 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के गांव धामली निवासी दीपक व ज्ञान सागर निवासी तुफैल के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों ने कुछ दिन दिनों पहले हांसी की रुपनगर कालोनी निवासी खुशी के मोबाइल पर फोन करके कहा था कि आपके पापा ने हमें पांच हजार रुपए भेजने के लिए कहा था लेकिन मैंने बेटा गलती से 25 हजार रुपए डाल गए। आरोपियों ने उसके फोन पर 25 हजार रुपए का नकली टैक्स्ट मैसेज भेजकर तथा बातों में उलझाकर उससे 69 हजार रुपए की धोखाधड़ी की थी। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके के कब्जे से 30 हजार रुपए बरामद कर कब्जा पुलिस में लिए गए है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया।

9200 रुपये सहित छह आरोपी काबू

- गैरकानूनी धंधा करने वालों के खिलाफ चलाया विशेष अभियान
- पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला पुलिस द्वारा गैरकानूनी धंधा करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए विभिन्न जगहों पर सार्वजनिक रूप से सट्टा खाइवाली करते हुए 6 व्यक्तियों को 9200 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया है।

शहर थाना पुलिस ने शहर क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाइवाली करते हुए राजेंद्र कुमार उर्फ गोलू पुत्र हनुमान सिंह निवासी ढाणी तेजा सिंह शमशाबाद पट्टी सिरसा को 2400 रुपए की सट्टाराशि के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य घटना में शहर थाना पुलिस ने रंगड़ी रोड सिरसा क्षेत्र से अजय कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी ढाणी सरवरपुर को सार्वजनिक की जगह पर सट्टा खाईवाली करते हुए 1180 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया है। वहीं सिविल लाइन थाना पुलिस की एक टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान चतरगढ़ पट्टी सिरसा क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करते हुए अशोक कुमार पुत्र चुन्नीलाल निवासी रेलवे फाटक चतरगढ़ पट्टी सिरसा को 1020 की राशि की सट्टाराशि के साथ काबू किया है। जबकि इरा गुरप सिरसा क्षेत्र से जग्गा सिंह पुत्र कस्तूरी लाल निवासी निरंकारी भवन चतरगढ़ पट्टी सिरसा को सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करते हुए 1010 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया है। वहीं एक अन्य घटना में रानियां थाना पुलिस ने गांव बाहिया क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करते हुए आशुतोष उर्फ आशु पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव बाहिया को 1870 रुपए की सट्टाराशि के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि जिला की सदर थाना पुलिस ने भूपेंद्र उर्फ हैप्पी पुत्र तीरथ राम निवासी गांव मंगल को उसी के गांव से 1680 रुपए की सट्टाराशि सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार गए सभी लोगों के खिलाफ संबंधित थानों में जुआ अधिनियम के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

युवक 6.66 ग्राम हेरोइन सहित काबू

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम ने गश्त के दौरान शहर के रानियां रोड क्षेत्र से एक युवक को 6 ग्राम 66 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा के प्रभारी उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार ने बताया कि सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान बांदर वाली पुलिया से होते हुए रानियां गेट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब भारत पेट्रोलियम पंप के पास पहुंची तो पेट्रोल पंप के सामने बाजीगर मोहल्ला वाली गली के कॉर्नर पर एक युवक खड़ा दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक घबरा गया और वापस मोडक़र कर भागने का प्रयास करने लगा। शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली,तो उसके कब्जा से 6 ग्राम 66 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी की पहचान ऋषि उर्फ राकेश कुमार पुत्र हरवंश सिंह निवासी बाजीगर मोहल्ला वार्ड नंबर 26 रानियां चुंगी सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

जेईई मेन में आरपीएस के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक पाया स्कोर

- विद्यार्थियों ने भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन के परीक्षा परिणामों में आरपीएस ग्रुप के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल व इससे अधिक अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान रचा। आरपीएस की हर्षि ने 99.985, परसेंटाईल, छवि यादव ने 99.92 परसेंटाईल, सुजल व पियूष व सुजल ने 99.86 परसेंटाइल प्राप्त कर अंकों की सर्वश्रेष्ठता का शिखर छुआ है, वहीं विषयवार परीक्षा परिणाम पर नजर डालें तो आरपीएस की हर्षि, ईशान, लक्षिता व अनुज ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी। वहीं मैथ्स में ईशान ने 100 परसेंटाइल, छवि ने 99.99, हर्षि ने 99.98, तनिष्क व कार्तिक ने फिजिक्स में 99.96 पर्सेंटाइल प्राप्त की तो वहीं केमेसट्रि में हर्षि ने 99.98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजी मनीष राव ने बताया की हर्षि ने 99.985 परसेंटाइल, छवि यादव ने 99.92, सुजल ने 99.86, पियुष ने 99.86, प्रणव कुमार ने 99.83, हर्षित राय ने 99.80, सिद्धार्थ आर्य ने 99.80, इसान अफरिया ने 99.79, चनदाशू ने 99.44, रितविक ने 99.44, रिदम ने 99.77, दिव्यांशी तेवतीया ने 99.77, गुणादित्य संधू ने 99.77, चितवन ने 99.75, प्रियांशु ने 99.75, कृष ने 99.74, अनुज ने 99.69, याशिका ने 99.60, ललित ने 99.58, सुमित पहल ने 99.55, कार्तिक ने 99.52, कृष ने 99.52, श्रुति ने 99.52, द्वितिया गर्ग ने 99.51, मान्यु यादव ने 99.51, वंश ने 99.46, शुभम ने 99.46, विवान राव ने 99.42, विनय ने 99.42, लक्षिका ने 99.38, श्रेयांश रावत ने 99.38, अन्नु शर्मा ने 99.37,अभिनव व अमितानश ने 99.37, दिव्यम ने 99.35, दिपांशु ने 99.34, सिद्धार्थ ने 99.34,कशिश ने 99.33, मानस झा ने 99.32, योगेश कुमार व अंकित गौतम ने 99.29, गुलशन कुमार ने 99.29, मानव चैधरी ने 99.29, निखिल ने 99.26, रिजुल ने 99.20, प्रियांशु ने 99.19, मोहित यादव ने 99.15, रेनित राव ने 99.14, प्रियांशु ने 99.14, गौरव सांगवान ने 99.03, हिमेश ने 99.01, हरमित खुराना ने 99, समर्थ ने 99 व रितू यादव ने 99 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डिप्टी सीईओ कुनाल राव सहित ग्रुप के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपने प्राध्यापकों के उचित मार्गदर्शन व बच्चों की कड़ी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि एक ही ग्रुप के सबसे अधिक बच्चों ने जेईई मेन में अच्छी प्रसेंटाईल प्राप्त कर आरपीएस के साथ-साथ अपने जिले व प्रदेश का नाम गौरवांवित किया है।

अब तक 4,10,983 एमटी से अधिक हुई गेहूं की आवक

- अनाज मंडियों में गेहूं और सरसों की खरीद का कार्य जारी
- खाद्य एवं आपूर्ति विभाग एवं हैफेड कर रही खरीद कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला की अनाज मंडियों में गेहूं और सरसों की खरीद का कार्य जारी है। अब तक चार लाख 10 हजार 983 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। डीएफएससी मुकेश कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 39 हजार 891 हजार मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा दो लाख 82 हजार 756 मीट्रिक टन तथा हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा 88 हजार 336 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि कालांवाली अनाजमंडी में 43719 मीट्रिक टन, ऐलनाबाद अनाजमंडी में 23838 मीट्रिक टन, सिरसा अनाजमंडी में 25546 मीट्रिक टन, नाथूसरी चौपटा मंडी में 11723 मीट्रिक टन, डबवाली मंडी में 27872 मीट्रिक टन, बड़ागुढ़ा में 12082 मीट्रिक टन, बप्पां में 7601 मीट्रिक टन, डिंग में 13292 मीट्रिक टन, कुत्ताबढ में 5370 मीट्रिक टन, ओढां में 12016 मीट्रिक टन, जीवन नगर मंडी में 16999 मीट्रिक टन और रानियां में 25538 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। साथ ही जिला की अन्य मंडियों में भी गेहूं व सरसों की खरीद भी जारी है।

आग लगने से हुए नुकसान की भरपाई करे सरकार : गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग पीड़ित व्यापारियों से मिलते हुए।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष व अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव बजरंग गर्ग ने दुकानों में आग लगने पर लाखों रुपए नुकसान होने पर गहरी चिंता प्रकट की है। भीषण गर्मी व सोट सर्किट के कारण शहर में तीन दुकानों में आग लगना व सिवानी मंडी में दो दुकानों में आग लगने से लाखों का सामान व फर्नीचर जलकर राख हो गया। बजरंग गर्ग ने मांग की कि दुकानों में आग लगने से जो भारी नुकसान हुआ है, सरकार को उसकी भरपाई करनी चाहिए ताकि व्यापारी पुनः अपना व्यापार ठीक ढंग से कर सकें। बजरंग गर्ग ने शहर में मोबाइल शॉप व रेडीमेड कपड़े की दुकान में आग लगने पर पीड़ित व्यापारी से मिलने गए और उनसे दुकान में आग लगने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मोबाइल की दुकान कार्तिक मोबाइल गैलरी व शिव गारमेंट्स रेडीमेड कपड़े की दुकान में लगभग 15 से 20 लाख रुपए तक का दोनों का अलग-अलग नुकसान हुआ है। इसी प्रकार सिवानी के तिरपाल, रसी, पगड़ी आदि का समान बेचने वाले व्यापारी अनिल कुमार की दुकान में आग लगने से सारा समान जलकर राख हो गया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसानों की फसल जल जाने पर किसानों को मुआवजा मिलता है उसी तरह दुकान व फैक्ट्रीयों मे आग लगने पर व्यापारियों को भी पूरा मुआवजा देने का कानून सरकार को बनाना चाहिए।

शिक्षकों ने कार्यशाला में जानी एआई की महत्वता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला का किया आयोजन

दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में केपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सीबीपी) के अंतर्गत कक्षा शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावी उपयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक तकनीक विशेषकर एआई के शैक्षिक उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा कक्षा-कक्ष में इसके व्यवहारिक प्रयोग की विधियों से परिचित कराना था। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या रमा दहिया व रिसोर्स पर्सन प्रदीप कुमार व प्रिया द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के युग में तकनीकी ज्ञान विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली एवं छात्र-केंद्रित बना सकती है। इस अवसर पर विशेषज्ञ प्रशिक्षक प्रदीप कुमार (एआई विशेषज्ञ/सीबीएसई प्रशिक्षक) ने शिक्षकों को एआई के मूल सिद्धांतों, शैक्षिक उपकरणों तथा विभिन्न एआई आधारित एप्लिकेशनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उदाहरणों व प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से यह बताया कि एआई कैसे छात्रों की सीखने की गति, समझ और सहभागिता को बेहतर बना सकता है।

एडवाइजरीः पैसा डबल करने वाले गिरोह से बचें

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला पुलिस प्रशासन ने आमजन को नसीहत दी है कि वे पैसा डबल करने वाले गिरोह से सावधान रहें क्योंकि वे किसी न किसी प्रलोभन के माध्यम से आमजन को ठगने की फिराक में रहते हैं। पैसा दोगुना करने वाले गिरोह से हमेशा सावधान रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना पैसा दोगुना करने के लिए नहीं देना चाहिए।

पुलिस प्रशासन ने आमजन से आग्रह भी किया है कि वे अपने पैसे की सुरक्षा के लिए हमेशा सावधानी बरतें और यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते इस प्रकार की ठगी करने वाले लोगों को पकड़ा जा सके। पुलिस एडवाइजरी में कहा गया है कि सिरसा पुलिस ऐसे मामलों के प्रति काफी गंभीर और सतर्क है। पुलिस ऐसे समाजविरोधी कार्य करने वालों पर नजर बनाए हुए है और ऐसे मामलों की गहनता से जांच कर रही है। यदि जांच के दौरान जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन की ओर से आमजन से अपील की गई है कि सावधानी व सतर्कता ही ठगी का शिकार होने से बचा सकती है।

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि हाल ही में जिला की सीआईए सिरसा पुलिस ने पैसा दुगुना करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को 50 हजार रुपए की नकली करंसी व पुलिस की वर्दी के साथ काबू किया है।

संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर दें पुलिस को सूचनाः एसपी

---

26 अप्रैल को सिरसा में प्रवेश करेगी साइकिल यात्रा

साइक्लोथॉनः अब तक 43,000 से ज्यादा पंजीकरण

- नागरिकों से यात्रा में जुड़कर समाज को नशे के गिरफ्त से मुक्त कराने में योगदान देने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के लिए प्रदेश में आयोजित साइकिल यात्रा का जिला में 26 अप्रैल को प्रवेश होगा। यात्रा के भव्य स्वागत के लिए जहां जिला में तैयारियां की जा रही है, वहीं आमजन भी नशे के खिलाफ इस मुहिम से जुडक़र व्यापक स्तर पर जन समर्थन कर रहे हैं। अब तक 43000 से ज्यादा नागरिक पंजीकरण कर चुके हैं। यह साइक्लोथॉन एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम थीम पर आधारित है, जिसकी शुरुआत 5 अप्रैल को हिसार से हुई थी और 27 अप्रैल को समापन सिरसा जिला में होगा। इस साइकिल यात्रा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां की जा रही है। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य हरियाणा को नशा मुक्त बनाना है। हिसार से शुरू हुई यह साइक्लोथॉन पूरे राज्य में युवाओं को जोड़ते हुए एक सामाजिक परिवर्तन की अलख जगा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न स्थानों पर यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा और इसके जरिए युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुडक़र समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने में अपना योगदान दें। उन्होंने सभी स्कूल, कॉलेजों, एनजीओ, केमिस्ट एसोसिएशन, नशा मुक्ति केंद्र, ड्रग फ्री गांव के सरपंचों आदि को इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया।

10 विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार

उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बताया कि इस साइकिल यात्रा के पहले स्थान पर आने वाले प्रतिभागी को एक शानदार साइकिल के साथ 2100 रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। वहीं दूसरे स्थान पर आने वाले को 7100 रुपये, तीसरे को 6100 रुपये, चौथे को 5100 रुपये, पांचवें को 4100 रुपये और छठे व सातवें स्थान पर आने वालों को 3100-3100 रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह आठवें से दसवें स्थान तक आने वाले प्रतिभागियों को भी 2100-2100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा इस साइकिल यात्रा में पंजीकरण कराने वाले हर प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र भी प्राप्त होगा।

खबर संक्षेप

स्कूल से कैमरे व सोलर पैनल चोरी, केस दर्ज

सिरसा। राजकीय माध्यमिक विद्यालय कुक्कड़थाना से चोर गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे व सोलर पैनल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में स्कूल हैडमास्टर अजय कुमार ने बताया कि स्कूल में 8 कैमरे तथा 60 वॉट की तीन सोलर प्लेटें लगी हुई थी। उसने बताया कि तीन दिनों की छुट्टी होने के कारण स्टाफ स्कूल में नहीं आया। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने हाथ साफ कर दिया।

युवक के जेब से नकदी व अन्य सामान चोरी

सिरसा। रेलवे पुल के नीचे पेमेंट लेने जा रहे एक युवक के कुर्ते की जेब बाइक सवार युवक काट ले गए। जेब में घर की चाबी व पर्स में 3500 रुपए की नकदी सहित अन्य दस्तावेज थे। पुलिस को दी शिकायत में बेगू रोड निवासी कपिश कुमार ने बताया कि बीती शाम को पेमेंट लेने के लिए रेलवे पुल के नीचे जा रहा था। इसी दौरान पीछे से बाइक सवार युवक आए और उसके कुर्ते की जेब काट ली।

फाइनेंस कंपनी के बाहर से बाइक चोरी, केस

सिरसा। हिसार रोड पर एक फाइनेंस कंपनी के कार्यालय के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में कीर्तिनगर निवासी अमित कुमार ने बताया कि वह हिसार रोड स्थित एक फाइनेंस कंपनी में काम करता है। उसने बताया कि बीते दिवस वह ड्यूटी पर गया था। बाइक बाहर खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद बाइक संभाली तो बाइक गायब मिली।

रतिया में वकील के घर से मोटरसाइकिल चोरी

रतिया। वाहन चोरों ने रतिया में एक वकील के घर से मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भूथन खुर्द हाल न्यू टाऊन, रतिया निवासी गुरप्रीत सिंह ने कहा है कि वह रतिया कोर्ट में वकालत करता है। गत दिवस रात को उसने अपने मोटरसाइकिल को घर के अंदर खड़ा किया था।

बस चालक पर हमला करने के आरोप में केस

रतिया। रतिया बस स्टैंड पर निजी बस चालक पर हमला करने और बस में तोडफ़ोड़ करने के मामले में आज पुलिस ने बस चालक काला सिंह की शिकायत पर अक्कावाली निवासी मोहित व उसके दो साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में काला सिंह ने बताया कि मोहित व उसके दो साथियों ने रतिया बस स्टैंड पर उस पर हमला कर दिया और ईंटों से बस के शीशे तोड़ दिए ।

भूना व रतिया क्षेत्र से दो युवतियां लापता, केस

फतेहाबाद। जिले के भूना व रतिया क्षेत्र से दो युवतियों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव नाढोडी निवासी एक युवक ने कहा है कि उसकी 24 वर्षीय बहन गत दिवस सुबह घर से पेपर देने के लिए गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है।

किसान-व्यापारी कर रहे हैं स्टाक

गेहूं का पीक सीजन 3 दिन ही शेष, फिर आवक हो जाएगी कम

ब तक जिले में 3 लाख 34 हजार 82 एमटी गेहूं की खरीद हो चुकी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले की अनाज मण्डियों में इन दिनों गेहूं की बम्पर आवक हो रही है। अब तक जिले में 3 लाख 34 हजार 82 एमटी गेहूं की खरीद हो चुकी है। इसमें से मात्र 1 लाख 1 हजार 471 एमटी गेहूं का ही उठान हुआ है जबकि 2 लाख 32 हजार 611 एमटी गेहूं अनाज मण्डियों में खुले में पड़ा हुआ है। खरीद एजेंसियों ने गेहूं खरीद की एवज में 20 हजार 307 किसानों को 229 करोड़ 68 लाख रुपये जारी कर दिए हैं। जिले में अब तक 30.37 प्रतिशत गेहूं का ही उठान हुआ है जिस कारण गेहूं की ढेरियों से अनाज मण्डियां अटी पड़ी हैं। अनाज मण्डी से जुड़े व्यापारियों व खरीद एजेंसी से जुड़े अधिकारियों की मानें तो गेहूं का यह पीक सीजन मात्र 3 दिन रहने वाला है। इसके बाद गेहूं की आवक मण्डियों में आनी कम हो जाएगी। इसका कारण किसान और व्यापारियों का गेहूं का स्टाक करना है।

फतेहाबाद। गेहूं की बोरियों से अटी अनाज मण्डी। फोटो: हरिभूमि

टोहाना की उठान में देरी पर सचिव ने खरीद एजेंसियों को भेजा नोटिस

टोहाना की तीनों अनाज मंडियों में गेहूं खरीद के बाद उठान की धीमी गति से समस्या उत्पन्न हो गई है। मार्केट कमेटी सचिव संदीप गर्ग ने इस मामले में दोनों खरीद एजेंसियों को नोटिस जारी किया है। सचिव ने अधिकारियों को भी जानकारी दी है। यहां हरियाणा वेयरहाउस ने 2 लाख 22 हजार 913 क्विंटल गेहूं की खरीद की है। इसमें से मात्र 16 प्रतिशत का ही उठान हुआ है। हैफेड ने 2 लाख 2 हजार 675 क्विंटल गेहूं खरीदा है। इसमें से केवल 27 प्रतिशत का उठान किया गया है। सरकारी नियमों के अनुसार खरीद के 48 घंटे के भीतर गेहूं का उठान अनिवार्य है।

हैफेड ने अब तक गेहूं की सबसे ज्यादा खरीद की

जिला में अब तक विभिन्न एजेंसियों द्वारा 3 लाख 34 हजार 82 मीट्रिक टन गेहूं फसल की खरीद की गई है। इसके लिए सरकार की ओर से किसानों को 229.68 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया है। फूड सप्लाई ने 2427 किसानों की 38890 मीट्रिक टन, हैफेड ने 7726 किसानों की 151201 टन, एचडब्ल्यूसी ने 8005 किसानों की 129716 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 2149 किसानों की 14275 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। जिला में अब 101471 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है, जिसमें फूड सप्लाई ने 14193 मीट्रिक टन, हैफेड ने 43289 मीट्रिक टन का उठान किया है।

जेईई मेंस में छाए सिरसा के छात्र

- युग नारंग ने 99 .52 प्रतिशत अंक किए हासिल

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। जेईई मेन्स परीक्षा पास करने पर मिठाई खिलाते अभिभावक।

जेईई मेन्स दूसरे चरण की परीक्षा परिणाम में युग नारंग ने 99.52 परसेंटाइल और रिया सिंगला ने 98.97 व पारस ने 98.32 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए। विद्यार्थियों ने मोबाइल फोन से दूर रहकर पुराने प्रश्न पत्रों के अभ्यास पर जोर दिया, जिसका फायदा उन्हें परीक्षा में मिला है। जेईई एडवांस पास करके अच्छे आईआईटी कॉलेज में दाखिला लेना लक्ष्य है। रिया सिंगला (98.97 परसेंटाइल) और पारस (98.32 परसेंटाइल) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल पेश की है। दोनों ने बताया कि सफलता के लिए मन की एकाग्रता और सोशल मीडिया से दूरी अत्यंत जरूरी है। रिया कहती हैं कि छह से सात घंटे पढ़ाई जरूरी है। इसके अलावा तन्मय ने 97.54 परसेंटाइल और यासना ने 94.24 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर यह दिखा दिया कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता।

भूजल में अपशिष्ट पदार्थों का मिश्रण बढ़ने से बीमार हो रहे लोग : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रानियां क्षेत्र के अधिकतर गांवों में भूजल में अपशिष्ट पदार्थों का मिश्रण बढऩे से चपेट में लोग आ रहे हैं जो चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भूमिगत जल पीने योग्य नहीं है क्योंकि इस पानी में फ्लोराइड, टीडीएस, टोटल हार्डनेस, केल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा निर्धारित मात्रा से कहीं अधिक है। ऐसी ही रिपोर्ट सिरसा शहर के विभिन्न वार्डों से लिए गए पानी के नमूनों की आई है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि उन्होंने पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा था कि घग्गर नदी क्षेत्र के रानियां ब्लॉक के गांवों में लोग भूमिगत दूषित और कैमिकल युक्त पानी पीने को मजबूर हैं और लोग जनजनित रोगों और कुछ कैंसर रोग की चपेट में आ चुके है। पहले कुछ गांवों में पानी की आपूर्ति भाखड़ा नहर से की जाती थी जिसे बाद में बंद कर दिया गया। अब हालात ये हैं कि प्रदूषित जल पीने से क्षेत्र में कैंसर रोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। हालात ये है कि संतनगर में एक ही घर में तीन तीन कैंसर रोगी है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भेजे जवाब में माना है कि क्षेत्र में नहरी जल की सप्लाई नहीं है।

फसलों में आगजनी की घटनाओं पर चिंता

फतेहाबाद। जिल में गेहूं की फसलों में हुई आगजनी की घटनाओं और जान-माल के नुकसान पर अखिल भारतीय किसान सभा जिला कमेटी ने गहरी चिंता जताई है। किसान सभा ने हरियाणा सरकार से प्रभावित किसानों के नुकसान की भरपाई की मांग की है। किसान सभा जिला प्रधान विष्णु दत्त शर्मा व जिला सचिव मा. राजेन्द्र प्रसाद बाटू ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में हरियाणा के कई हिस्सों में और फतेहाबाद में आंधी तूफान के चलते तो कहीं बिजली केबलों में शार्ट सर्किट होने से काफी एकड़ फसल और फाने जलकर राख हो गई है। आसमानी बिजली गिरने से भी जान माल का नुकसान हुआ है। इन घटनाओं के चलते किसानों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। किसान की मुख्य फसल खत्म होने से उन पर भारी आर्थिक बोझ भी पड़ेगा।

खेतों से ट्यूबवेल के तार चोरी

- चिम्मो में वारदात से हड़कंप, पुलिस से शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

उप मंडल के गांव चिम्मो में किसानों के खेत से ट्यूबवेल की तार चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों ने आतंक तक मचा रखा है। पहले भी कुछ किसानों के खेत से ट्यूबवेल की तार चोरी हो गई थी। अब फिर देर रात्रि आधा दर्जन के किसानों के खेत से ट्यूबवेल की तार अज्ञात लोग चोरी करके ले गए। किसानों ने इसकी सूचना सरपंच प्यारा सिंह व पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर सरपंच प्यारा सिंह मौके पर पहुंचे उन्होंने भी चोरियां करने वाले गिरोह को जल्द से जल्द पकडऩे के लिए पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। सरपंच प्यारा सिंह ने बताया कि देर रात उनके पास किसानों की सूचना मिली कि कई किसानों के खेतों से ट्यूबवेल की तार चोरी हो गई है। सूचना मिलने पर वह खेतों में पहुंचे तो उन्हें पता चला कि आधा दर्जन से ज्यादा किसानों के खेतों से अज्ञात चोर ट्यूबवेल की तार काट कर ले गए हैं, जिस कारण किसानों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरपंच ने बताया कि इससे पहले भी उनके गांव में ट्यूबवेल की तार चोरी हो गई थी जिसके बारे में पुलिस को सूचित भी किया गया था। सरपंच ने बताया कि एक गिरोह द्वारा सुनियोजित तरीके से किसानों के ट्यूबवेल की तार चोरी की जाती है जिससे किसान काफी परेशान है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि तार चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों को पकडक़र उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

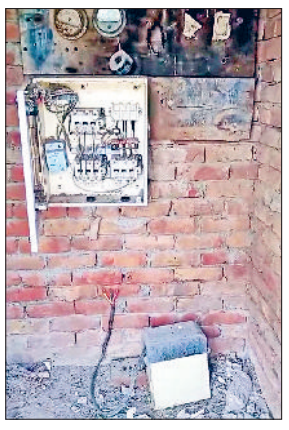

रतिया। काटी गई ट्यूबवेल की तार।

वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता सुनिश्चित होगी

- वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय में कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भूना रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप से प्रदेश सहसंयोजक घनश्याम गोयल ने शिरकत की। कार्यकर्ताओं को सबोधित करते हुए घनश्याम गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 से वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। गरीब का हक, सिर्फ गरीब को मिलेगा। वक्फ संशोधन अधिनियम के बारे में विपक्षी दलों द्वारा फैलाये जा रहे दुष्प्रचार, भ्रांतियों व अधिनियम के सकारात्मक पहलुओं के बारे में आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से पार्टी की आगामी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने बताया कि इस कानून के तहत वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों को विशेषाधिकार देने के साथ ही उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 के माध्यम से वक्फ की जमीनों के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शिता व सदुपयोग सुनिश्चित करने का कदम उठाया है।

फतेहाबाद। कार्यशला में मुख्य वक्ता का स्वागत करते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

जन जागरण अभियान

प्रवीन जोड़ा ने बताया कि वक्फ सुधार जन जागरण अभियान भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जाकर 20 अप्रैल से लेकर 5 मई तक 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' के तहत इस कानून के बारे में तथ्यात्मक जानकारी देंगे। इस अवसर पर जिला महामंत्री जगजीत हुड्डा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अवतार सिंह मोंगा, सह संयोजक राम अवतार जैन, जिला महामंत्री अशोक जाखड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

गेहूं की खरीद पर बोनस दे सरकार : गर्ग

- हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष ने मंडियों में उठान में हो रही देरी पर चिंता जताई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार की लाहपरवाही के कारण लगभग 36 लाख मैट्रिक टन गेहूं मंडी व खुले में पड़ी है जबकि लगभग किसान की गेहूं मंडियों में 54 लाख 50 हजार मैट्रिक टन आ चुकी है और उठान सिर्फ 18 लाख 30 हजार मैट्रिक टन तक हुआ है। गेहूं का समय पर उठान नहीं होने के कारण गेहूं मंडी व सडक़ों पर खराब हो रही है। बजरंग गर्ग रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बजरंग गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री के गेहूं खरीद, उठान व भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे फेल सिद्ध हुए है। जब 48 घंटे में गेहूं का उठान नही हो रहा है तो भुगतान सरकार कैसे करेगी। सरकार ने गेहूं उठान का टैंडर लेट दिया और मंडियों में बारदाना भी लेट देने के कारण भी गेहूं उठान में देरी हुई है। उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीद व उठान लेट होने के कारण करोड़ों रुपए की गेहूं की फसल जलकर व बारिश से खराब हो गई है। सरकार को तुरंत किसान की गेहूं के नुकसान की भरपाई करनी चाहिए और सरकारी गेहूं की खरीद पर 300 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिल सकें। सरकार की तरफ से गेहूं खरीद, उठान व भुगतान के पुख्ता से पुख्ता प्रबंध करना चाहिए।

सिरसा। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग प्रैसवार्ता करते हुए।

2.5 आढ़त दे सरकार

गर्ग ने कहा कि सरकार को सरसों, नरमा, बाजरा, मुग, गेहूं, धान व हर अनाज खरीद पर पहले की तरह आढ़तियों को 2.5 प्रतिशत आढ़त देनी चाहिए और सरकारी अधिकारी व ठेकेदार की लाहपरवाही के कारण गेहूं उठान में देरी होने पर घटती आने पर घटती के पैसें आढ़तियों का ना काटकर उसका पैसें अधिकारी व ठेकेदार से रिकवरी की जाएं क्योंकि सरकारी एजेंसी द्वारा गेहूं खरीद के बाद गेहूं सरकार की हो जाती है ऐसे में उसके घटती के पैसें आढ़तियों से काटना सरासर गलत है जिसे किसी कीमत पर सहन नही किया जाएगा।

गौरेया दिवस पर किया जागरूक

- गौरेया दिवस पर अध्यापक नरेश कुमार ग्रोवर ने जागरुकता का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

गौरेया दिवस पर अध्यापक नरेश कुमार ग्रोवर ने जागरुकता का संदेश दिया। नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि हमारे आंगनों की प्यारी गौरैया आज लगभग विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुकी है। यह केवल एक चिडिय़ा ही नहीं, बल्कि हमारे बचपन की यादों, प्रकृति की मधुरता और संतुलन का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इस नन्ही चिडिय़ा की वापसी के प्रयास करें। सिरसा की धरती हमेशा से हरियाली और जीव-जंतुओं की शरणस्थली रही है। अतः हम सबका दायित्व बनता है कि गौरैया के लिए एक बार फिर से अनुकूल वातावरण तैयार करें। उन्होंने सभी सिरसावासियों से आग्रह किया कि वे अपने घरों में दाना-पानी रखें, छोटे-छोटे घोंसले लगाएं, पेड़-पौधों की देखभाल करें, ताकि गौरैया फिर से सिरसा की फिजाओं में गूंज सके। नरेश कुमार ने कहा कि यह कार्य केवल एक दिवस का नहीं, बल्कि एक सतत संकल्प का विषय है, जिसमें हम सबको अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

सिरसा। गौरेया दिवस पर जागरुकता का संदेश देते हुए। फोटो: हरिभूमि

सीखना सिखाता है रंगमंच : लढा

- राजकीय नेशनल महाविद्यालय में एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा के पंजाबी विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए विषय नाटक और रंगमंच पर एक्सटेंशन लेक्चर के लिए केएल थियेटर प्रोडक्शंस एवं जेसीडी रंगशाला के निदेशक कर्ण लढा शामिल हुए। कर्ण लढा ने इस अवसर पर मौजूद सभी विद्यार्थियों से कहा कि सीखना सिखाता है रंगमंच।

शिक्षा का मतलब सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि स्वयं को जानना है। उन्होंने कहा कि हर कला हमें संवेदनशील बनाती है पर नाटक कला और रंगमंच संवेदनशीलता के साथ-साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारने में विशेष भूमिका निभाता है। इसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों की रंगमंच और नाटक से संबंधित जिज्ञासाओं को प्रश्न-उत्तर के माध्यम से दूर ही नहीं किया, बल्कि हर शब्द को याद करने की बजाय समझने की लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा के वाइस प्रिंसिपल प्रोफेसर हरविंद्र सिंह ने कर्ण लढा का धन्यवाद किया।

सिरसा। विद्यार्थियों को नाटक की बारीकियों बारे बताते हुए रंगशाला के निदेशक कर्ण लढा। फोटो: हरिभूमि

गोंवश पकड़ने पर मिलेंगे 1500 रुपये

जाखल में रात में चला स्ट्रे कैटल फ्री अभियान

- नगरपालिका ने एक एजेंसी को पशु पकड़ने का ठेका दिया
- शनिवार रात को एजेंसी के कर्मियों ने 50 पशुओं को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के जाखल कस्बे में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगरपालिका द्वारा सडक़ों पर घूम रहे इन बेसहारा पशुओं को पकडऩे का अभियान शुरू किया गया है। इसके लिए नगरपालिका द्वारा एक एजेंसी को पशु पकडऩे का ठेका दिया गया है।

शनिवार रात को एजेंसी के कर्मचारियों ने करीब 50 पशुओं को पकडक़र गौशाला भेजा है। वार्ड नंबर 11 की नई बस्ती से लोगों की ज्यादा शिकायतें आने के कारण सबसे पहले यहीं से पशुओं को पकड़ा गया।

फतेहाबाद। जाखल में पशुओं को पकड़ते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

लोगों को राहत

नगरपालिका प्रशासन के अनुसार, शहर में घूम रहे बेसहारा पशुओं को पकडऩे के लिए टेंडर लगाया गया है। एक पशु पकडऩे की एवज में एजेंसी को 1500 रुपए का भुगतान किया जाएगा। एजेंसी के कर्मचारी शहर में घूम रहे बेसहारा पशुओं को पकडक़र गोशाला में पहुंचाने का काम करेंगे। एजेंसी की टीम की ओर से फिलहाल 500 पशुओं को पकडऩे का टारगेट रखा गया है। कुछ दिन पहले भी अभियान चला कर 81 पशुओं को पकड़ा गया था। पशुओं को पकडऩे के लिए करीब 10 सदस्यीय टीम लगी हुई है। शहरवासी आकाश कुमार, दीपक सिंह, रजत कुमार, विक्की, नरेश कुमार, रामसिंह आदि ने बताया कि बेसहारा पशुओं की शहर में भरमार होती जा रही है। जाखल ही नहीं बल्कि पूरे जिले के शहरों में इस तरह की समस्या देखने को मिल रही है। बेसहारा पशुओं के कारण आए दिन छोटे-मोटे हादसे होते रहे हैं। यह लावारिस पशु हिंसक रूप लेकर लोगों को नुकसान पहुंचाते हैं। यह अभियान चलाने से एक बार तो राहत